कहू बनवारी जी

मैथिली कविता चुटकूला

मन्तव्य

पुस्तक लिखनाइ बहुत कठिन बात थिक मुदा परिश्रम आ संघर्ष कएला पर केहनो कठिन काम सहज बनि जाइत छैक। मैथिली साहित्य परिषद द्वारा प्रकाशित होमय वाला मिथिला साप्ताहिक पत्रिकाक प्रकाशनमे समर्पित श्री महेन्द्र प्रसाद मण्डल 'बनवारी' जीक एही मैथिली कविता चुटकूला सग्रह प्रति सदिइच्छाक संगही खुशी व्यक्त करैत छि।

कम समयम निक चोटगर कविता चुटकूला रचना मे कवि सफल भेल एछ मिथिला पत्रिका मे कविता निरन्तर प्रकाशित होइत रहल अछि। गाम समाज मे आ सम्पुर्ण देश मे बित रहल घटना पर अधारित कएल गेल अछि। मैथिली भाषा प्रति समर्पित 'बनवारी' जीक प्रति खुशीक मन्तव्य व्यक्त करैत छि।

विष्णु कुमार मण्डल

मैथिली साहित्य परिषद अध्यक्ष

उत्पीडित, उपेक्षित, दलित वर्ग

उत्थान विकास समिती कार्यकारणी निर्देशक

दू-शब्द

समाजमे व्याप्त कुरीति आ देखल जा रहल भेद-भाव प्रति अपन पद्यमय व्यंग सँ प्रहार करवाक चेष्टा करव श्री बनवारी जीक आदति रहलनि अछि। छटपटाइत मनक व्याथा के वाणी देवाक लेल रचना कार्यमे सँलग्न बनवारी जीक कविता सव मिथिला पत्रिकामे निरन्तर प्रकाशित होइत रहल अछि, जकरा समिटि एक पुस्तकक आकार देवामे कवि सफल भेल छथि।

मनक उदगारके कविता रूपमे प्रगट करक कला व्याकरणक परिसिमनसँ स्वतंत्र रहि वांचन अनुरूप लेखनक प्रयास कएल गेल अछि। एहि चुटकूला रूपी कविता संग्रहक प्रकाशन आर कवि/कवियत्री के जे कविता लिखि-लिखि ओछाइनतर वा डायरीक पन्ना तक सीमित रखने छथि प्रकाशन दिस अभिप्रेरित करत से विश्वास अछि।

मैथिलीमे कविता लिखि एकर प्रकाशन कराएब बहुत कलेजगर कार्य छैक, जाहिमे श्री बनवारी जी सफल भेलाह अछि। भाषा आ साहित्यक श्रेत्रमे हिनक अनवरत संलग्नता क शुभकामना सहित मैथिली साहित्य परिषद द्वारा प्रकाशित होमय वाला मिथिला पत्रिका क प्रकाशन मे समर्पित श्री महेन्द्र प्रसाद मंडल 'बनवारी' जीक एहि कविता संग्रह प्रति दू-शब्द क सम्प्रेषण अहलादित करैत अछि।

विवेकानन्द झा
उपाध्यक्ष मैथिली साहित्य परिषद
आ सह-सम्पादक 'मिथिला साप्ताहिक'
राजविराज

विषय सूची

क्रम संख्या	विवरण	पेज नं0
१.	विश्व मे एक मात्र हिन्दु राजा	१
२.	मिथिला वासी के प्रणाम	२
३.	पेटु बनवारी	३
४.	मंत्रीसभक कुर्सी खाली	४
५.	डाँटी बरस मे लौजा कनियाँ	५
६.	नेता भाइ वियाह सराध दुनूक खाय	६
७.	गुरू गुर चेला चीनी	७
८.	परिक्षा मे चाही चीट	८
९.	कल्युग के पत्नी	९
१०.	लडकी बलाक वड दु:ख	१०
११.	आविगेल फागुन लगन के जोर	११
१२.	पाटी भेल सिलेट	१२
१३.	उपकारक चुपकार	१३
१४.	विदेश चल भाइ	१४
१५.	जे पिवत रिस दूनिया के लेत जीत	१५
१६.	कवि महान	१६
१७.	डाक्टर इमान्दार कमिशन में दोकान्दार	१७
१८.	वोर्डिङ्ग प्रिन्सिपलके तिरमिरी	१८
१९.	पास क लेल लागल आस	१९
२०.	शितलहरी में नेतासभके घुर	२०
२१.	बेचैय तेल की करैय खेल	२१
२२.	मेथेशी के मसीहा	२२
२३.	चोरक कमाय सव खाय	२३
२४.	कहुना के भएल उगरास	२४
२५.	वनभेल ठोका खुलल दारू के पोका	२५
२६.	खोलू इट्टा भट्ठा	२६
२७.	तास आओर जूबा	२७
२८.	धुम्रपान निषेध मजाक बनिके रहिगेल	२८
२९.	बढ़ल पेट्रोलियम पदार्थक दाम	२९
३०.	देशमे संकटकाल	३०

क्रम संख्या	विवरण	पेज नं0
३१.	शैनमे नै चैन	३१
३२.	कलम कॉपी दुनू साथी	३२
३३.	पढन सँ प्रोफेसर नेता सँ मिनिस्टर	३३
३४.	सचिवसभ अध्यक्षके कलम	३४
३५.	स्कूल के बस	३५
३६.	रौदक बाट जोहैत (कविता रूपा-थिरू)	३६
३७.	तनभेल वृद्ध मन अछि जमान	३७

विश्व मे एकमात्र हिन्दु राजा

विश्व मे एक मात्र छथि हमर हिन्दु राजा ।
सम्पूर्ण नेपालीक वराबरक साझा ।।
पहाड़ सँ तराइ धरि अछि विभिन्न जाति ।
जनताक विकास लेल जुटल छथि दिन राति ।
सवसंग मिलि रहथि हमर राजा ।।
देशक राष्ट्रीय गानमे अछि विभिन्न बजा ।
जनता सव लए रहल अछि राहतक साँस ।।
टकटकी लगौने अछि पूरत मनक आस ।
एक दिन अवश्य फुकत ओ शंख ।।
अशांति फैलावए बलाक टुटत पंख ।
रहय देशमे शान्ति अछि इ कामना ।।
समृद्ध होए देश सभहक इ चाहना ।
जय देश जय नरेश !
जय मिथिला जय मैथिली !!

मिथिला वासीके प्रमाण

करे छि प्रणाम मिथिला वासीके हम आइ।
हमर भुलके माफ करव समैंझके अपन भाइ।।
मिथिला भाषाक झण्डा उठाके चललौं आइ।
खुसीसँ गद-गद भेलौ कहलो ने जाइ।।
मैथिली भाषाके नै गुमाउ करैछी वन्दना।
हमर रचना रहत मिथिलावासीक अंगना।।
भरहल विकृतिसवके लेल लिखलौ हम किताव।
लिखैत काल अतेक कमि मिलल नै अछि हिसाब।।
समाजसेवी हमछी महेन्द्र प्रसाद मण्डल हमर नाम।
सप्तरी जिला घर अछि मलेकपुर हमर गाम।।

नेपाली माध्यमक पहिल निजी माध्यमिक विद्यालय
वर्ल्ड भिजन मोर्डन स्कूल में सत्-प्रतिशत मास्टर डिग्रीक
शिक्षक द्वारा पठन-पाठन करवाक लेल सम्पर्क करू।
वर्ल्ड भिजन मोर्डन स्कूल
राजविराज-७

पेटू वनवारी भोज में तैयारी

पेट सुखी तँ जंग सुखी और न दुजो काम ।
होय निमन्त्रण सँ सुखी, पेटू वनवारी राम ।।
पेटू वनवारी राम, पेटके करताह पूजा ।
पेट धर्मके सिवा, नहीं जगमे कोइ दुजा ।।
होय निमन्त्रणा सँ खुसी, निमक पिकर जाते ।
खा पिके जे बचे बाँधकर घर के लाते ।।
खाइत खाँन हम खाइछी सोरे-सोरे रोटी ।
पेट मे नै रहिय जगह खाइलँ अकोटा गोटी ।।

मन्त्रीसभक कुर्सी खाली

आयल दशमी गेल दशमी, होयत केना दिवाली।
एहेन दशमीक मुँह मे, मन्त्री सभक जेब खाली।।
कुर्सी खाली जेब खाली, देउवा भेल वकलेल।
होसियार सभक नामावली, जिला-जिला सँ गेल।।
दशमीक दशा सवारी निवासक छुटल आशा।
पाटीमे पडल झेल, जनतासभ देखैए तामाशा।।
वाल बच्चा सभके कोना के आव पढ़ायव।
पास बनाके आव विदेश हम पठाएव।।
कहू बवनवारी जी जनतासभ हमरा कि कहत।
एहेन कुकर्म नहीं करी आब रोडपर चले परत।।

डाँटी वरस में लौजा कनियाँ

डाँटी वरसके उमरमे कएलु लौजा उमर के कनियाँ।
तिन पैर सँ चलै छी वनल छी लटकनियाँ।।
रास्तामे लके चलैछी तँ लोक पुछैय के छीयौ चच्चा।
लाजके मारल हम कहिछी ई हमर ससुरके बच्चा।
हम झखैछी अपना जिन्दगी लँ कनियाँ के चाही नित वजार।
सवदिन खोराकीमे चाही हुनका कम्तिमे टाका हजार।।
पहिले हम बुझितौं तब नै राखितौ एहेन मन।
अन्तिम उमेरमे पालैले खटेपरैय दोसरके जन।।
लोहाके समान रहित तँ पिटके वनावितौ फार।
गुरके मइर धोकरा जानै हमर भगेल यीं हार।।
बाप होएत काविल अपन उमेरक करत जमाइ।
कनिया रहिय बैठल बूढवासँ कूल्हा फुकाइ।।

नेताभाई विवाह सराध दुनुके खाय

नेता सवके बात कहलोने जाय।
वियाह आओर श्राद्ध दुनुके खाय।।
जनता सँ ठकिके भोट लके जितैय।
अपना के बरका नेता कहलावैय।।
जखन परत जनता सभक नेता के काम।
छाता लाठी लके खोजु गामे गाम।।
नेता लगावै अछि कुर्त्ता धोती सादा।
यी पार्टी हमरछी खरिद न अछि वाप-दादा।।
नेता के मरिते पद होयत खाली।
दोसरके नै राखत बेटाके करत बहाली।।

गूरू गुर चेला चिनी

गूरू सवदिन रहिय गुर चेला भजाइय चिनी।
कतवो काविल चेला होएत, गूरू के अगाडी ऋणी।।
गूरूके वैसकी वोरा गोनैर चेला के वैसकी आसन।
कतवो पसेरी चेला होएत, गुरू के अगाडी पासन।।
गूरू बाजत ककहरबामे चेला बाजत ए.वी.सि.डी.।
चेला सँ मागिके गूरू पिवै सिकरेट आओर विडी।।
अखुनका समय मे फरक नै अछि चेला गुरूमे कोनो।
एके टेवुलपर दारू पिबत गूरू चेला दानो।।
केहनो गूरू रहत तँ होयत सरस्वती के रूप।
चेला कतवो रूपगर होयत गुरू के देखावू धूप।।

नसरी सँ कक्षा १० तक अनुभवी शिक्षक-शिक्षिका द्वारा पठन-पाठन करवाक लेल अपन-अपन छात्र-छात्रा के भर्ना कराबु।

दूर्गा सेकेन्ड्री बोर्डिङ्ग स्कूल

राजविराज, ☎ : ५२०३७६

परिक्षामे चाही चिट

कलास करिके टिसन पढत परीक्षामे चाहि चिट।
वापके कहत गाडके मिलाभिह नीक जगह देतै सिट।।
महिने महिना विद्यार्थी सभ वदलत अपन टिसन।
टिसनके टाका जेवीमे राखत वुझत भेल कमिशन।।
लोक पुछत कतेक पढलछी कहत छी विए पास।
दिन भैर क्रिकेट देखिके समय करत पास।।
रिजल्ट निकलिते पत्रिकामे कतौने देखै अपन रोल नम्बर।
वापके कहलक कोपी जॉचैवालाके पेन भेगेल छल गरबर।।
गुरू लगने अछि टिसनपर आस टाका लके आयत काइल।
टिसनके टाका तासमे उडेलक परीक्षामे भगेल फाइल।।

नर्सरी सँ कक्षा १० तक भरना
करवाक लेल सम्पर्क करू।
लाली गुराँस सेकेन्ड्री स्कूल
राजविराज - ५, ☎:-५२१३२५

कलियुग के पत्नी

कलयुग के पत्नी मिलल, वात-वात में परल झेल।
झगड़ा कलासमे पास छल, खाना क्लासमे फेल।।
खाना क्लासमे फेल छल, रसोही करिदेलक चालू।
पतिसँ झगड़ा करलागल जड़ीगेल सब आलू।।
आलु देखलक पतिसँ कहलक जल्दी सँ आवू।
जड़लाहा आलुके ऊपर सँ मलहम लगावू।
दैहेजमे लेब टाका तँ कनियाँ कहत छि भगवती।
काम करैके ढंग नै रहत दैहेज सँ दोबर करत छती।।
पापा लेलक टाका कनियाँ कदेलक लछमिनीयाँ।
दुखभेल हमरा जानै चारो दूनीयाँ।।

कम्प्यूटराइज
आशिक स्टेशनरी एण्ड
कम्यूनिकेशन
राजविराज, हटिया गली
☎ :- ५२१६३६

नववर्ष की शुभकामना
सप्तकोशी जेनरल स्टोर्स
राजविराज, हटिया गली

कट्टू कनवारी जी

लड़की वलाक वर दूःख

मा वाप नित पुजै बेटी जनम नै लिह घर मोर।
कोनाके वियाह करव सोचै नित साँझ भोर।।
वेटी जनमलेत जखौन वाप लेत माथपर हात।
कोना धरानी पार लागत सोचै दिन रात।।
लड़का वालाक वाप नै बुझै लड़की वाला के वापक दुख।
ककरोकिछ हुए लड़का वालाक रहत टकेक भुख।।
दैहेजके सवसे वेसी तराइमे लेनय चल्ती।
ककरो समस्यापर ध्यान नै केन अछि वर का गल्ती।।
नरी नारी होयतय सव एक समान।
समस्या के सव मिलके करू निदान।।

ग्राहकक संतुष्टी, हमर उद्देश्य
सस्ता, आकर्षक एवं शुद्ध छपाई के लेल
शीघ्र सम्पर्क करू
साझा अपफसेट प्रेस
राजविराज-१ (हटिया लाइन)
☎:- ०३१-२१०५३

आविगेल फागुण लगनके जोर

अविगेल फागुण लगनके जोर।
वेटावालासभनै बुझै ककरो बातके मोर।।
लगन आविते गामे गाम धुमै जना नाचै अछि नटुवा।
वेटाके वियाह करव ओहिठाम जैठाम भरत वटुवा।।
वेटा होइते बापके दोसरे चल्ती।
टाका राखैले वनावै बरका खाल्ती।।
वेटी कतवो लिखै पढैय तवो गिन परैय टाका।
वियाह सँ पहिले टाका लेत तब लगन होएत पका।।
टाका गिनाविते वाप बुझै अछि भगेलु वरका धनिक।
वियाह कँ टाका चाइर अना धनिक होइत यै छनिक।।
लड़का वालासब करैय जना वेचैय गाइमाल।
एक दिन एहेन समय होयत लड़की भजाएत आकाल।।

पाटी भेल सिलेट

पाटीसवके सामाचार कि कहव सव भगेल सिलेट।
दलाली करैवालासव सपैरगेल आओर गेल विलैट।।
हमछी सवसे वरका अपनाक बुझैय काँग्रेस।
कतवो वौहमतके सरकार होतए तपोनैलेत रेस।।
हम ककरासँ कमछी कहिय पाटी एमाले।
सरकारमे चल अकोवेर टाका कमाले।।
दुनूके देखिके हँसी उरावै राष्ट्रीय प्रजातन्त्र पाटी।
हमरा कियो नै आँइख देखा सकै हमछी पियोर खाँटी।
सवके बात बुझीके मिलावै बाला अछि सदभावना।
मिलके देशके चलाबु एके राखु सवभावना।।
देशक चलावैवाला पाटी अछि चाइर।
सभ कहत मन्त्री वनव अपनामे उठाएत माइर।।

अनुशासन अवधारणा पर आधारित १०+२ में अनुभवी प्राध्यापक द्वारा गुणस्तरीय अध्ययन हेतु एकमात्र विश्वासनीय संस्था।

संकाय - विज्ञान
- बाणिज्य
- शिक्षा

राजविराज मोडेल क्याम्पस
राजविराज

उपकारक चूपकार

देखु दुनिया के रित जितकेहार हारके जित।
ठकी वैमानी करब तँ बुझत वरका हित।।
वेसी वाजव त कहत ची वरका विद्वान।
चुप रहव त कहत अछि बरका वैमान।।
जखैन करव शिर निहुएके प्रणाम।
वलिदेवाक तैयार होएत वनत वरका हराम।।
दोसरसँ ठकिके लाविदियो जखैन टाका।
गलतो काम भजाएत बरका पका।।
आव दुनियामे नै रहल अछि ककरो करैलँ उपकार।
सहयोग जेखैन लेल भजाएत करत चूपकार।।
लैत खान कोइ नजाने देतखान सव।
दैइत खान बदलैय निती जानैय सव।।

भिजिटिंग कार्ड, लेटर पैड, बील, भाउचर, पोस्टर इत्यादिक उत्कृष्ट छपाइक लेल

अनामिका कम्प्यूटर प्रेस

में सपर्म्क करू

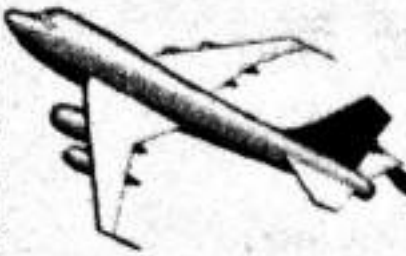

विदेश चल भाइ

गाम छोडिके जाएत विदेश वेचके जमिन गाय।
मांस दारूके भोजन चलाएत घंटेपर सिकरेट चाय।।
खाएत-पियत उराएत राखत वन्धकमे कपडा झोला।
रास्ता पेरा पर गीत गावत पिके कोका कोला।
लोक पुछत कि करैछी कहत छि फिल्मीक हिरो।।
घर आवैत खन भाड़ो पर आफत हातमे लावत जिरो।
कमावैवाला व्यक्ति कतौ रहिके कमा सकैय।
उरावैवाला व्यक्ति कतौ रहिके उरा सिकैय।।

पुस्तक, स्टेशनरी, खेल-कुद तथा
अन्य सामग्री सस्ता में उपलब्ध
करवाक लेल संपर्क करू।

राम लक्ष्मण पुस्तक भंडार
राजविराज-1 (हटियागली)

जे पिवत रिस दुनियाके लेत जित

रिस होइत अछि बरी खराव।
वजै के नै रहत ठेकान जना पिने रहि शराव।।
भाई बाप सँ होएत दुशमनी राखव जखैन रीस।
गामके लोक तालि बजाएत झगड़ा लगाएत दुनू दिस।।
बाँट-फाँटमे कोइ नै मानत कमिलैले अको बित।
अपना सवमें झगड़ा होएत दुनिया गावत गित।।
रिसके कारण कतेकक गेल अछि प्राण।
जिविते रिस जलावै कतवो होएव विद्वान।।
कतवो किछु होएत तँ नै राखव मनमे रिस।
पिबत जे कोइ रिसके दुनियाके लेत जित।।

निक आकर्षक फोटो धूलाई करवाक लेल मनोकामना फोटो स्टूडियो में सम्पर्क करू।

मनोकामना फोटो स्टूडियो

सप्तरी, राजविराज

अदालत रोड

कवि महान

कवि नै धनिक होइतय नै राखौ शान।
हजारौ कवि वित गेल अमर हुनकर नाम।।
ताही कविसँ एक अछि महाकवि विद्यापती।
सतपर रहि कवि जहिना नारी एक सती।
महापुरूष होयत कवि श्रापके बुझए वरदान।
बरको सँ बरका समस्याके विश्वासपर करै निदान।।
सूर्य चन्द्रमा नै पुगै जैठाम ओहो ठाम पुगै कविके ज्योती।
ज्ञान नै विकै बजारमे तैहिना नै विकै हिरा मोती।।
ज्ञानसँ सब किछ होइतय कुछ नै होइतय धनसँ ।
नुन रोटी पाविके ज्ञान सिखु शान्ती मनसँ।।

एस.टी.डी., आई.एस.डी,
फ्याक्स, फोटो कॉपी तथा कम्प्यूटर सम्बन्धी
सम्पूर्ण काम करवाक लेल सम्पर्क करू।

अंशू कम्नीकेशन

सप्तरी राजविराज
अदालत रोड

डाक्टर इमान्दार कमिशनमे दोकान्दार

विमारीसभक विश्वास डाक्टर होइत छै इमान्दार सच्चा ।
स्याँन सँ दोवर टाका जाँचमे लेत जब जचावैले लए जाएव बच्चा।।
कमिशनके लोभमे जाँचमे लिखत खुन, दिशा आओर पिसाब ।
अस्पतालके पुर्जा लके जायव त क्लिनिकमे हेस्पिटलमे काल्हि आएव ॥
भरि पुर्जा दवाइ लिखवे करत तैपर लिखत वरका सिसि ।
लिखलाहा दवाइ ओतै मिलत जैठम दैछैक पिसी ॥
एना नइ करव तँ नै चलत दवाइके व्यपारी ।
कमिशन कते दिन लेत नै रहत सवदिन ठिकेदारी ॥
डाक्टरसभ कहत हमछी वरका सच्चा इमानदार ।
ठकैलँ राखत प्याथोलोजी आ दवाइके दोकान्दार ॥

वोर्डिङ्ग प्रिन्सिपलके तिरमिरी

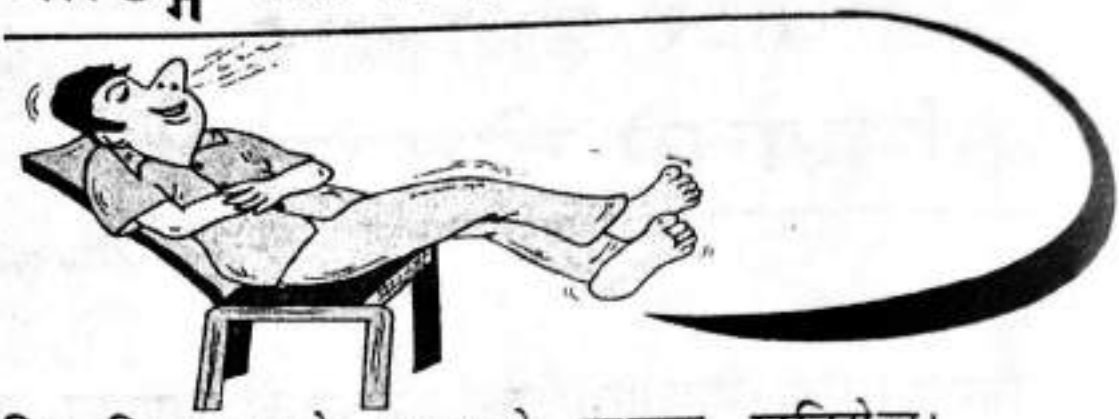

निजि विद्यालयके पढाइके शुल्क घटिगेल।
अभिभावक लोकैनसव खुसीसँ गद-गद भगेल ।।
जखन प्रिन्सिपलजी पढलक पत्रिकासँ सामाचार ।
लागिगेल तिरमिरी होसमे आविके करैय विचार ।।
वेहोस भके किकरव समझब भगेल रौदी अकाल ।
चन्दा झारिके पेट पालव खर्चा घटत सकाल ।।
कमावैकय त वोर्डिङ्ग स्कूलक करू व्यापारी ।
साले-साल वोर्डिङ्ग खोलव टकासँ भरव बखारी ।।
ककरापर विश्वास बेटो भगेल दारू पीयक्कर ।
हमरो सँ निक-निक व्यक्ति रहैय नोकर ।।
सोचलौ किछ भगेल ओकर उल्टा ।
काम करावै वालासव दारूमे देलक विल्टा।।

धान गहूम दाउन कराएवाला थ्रेसर, ट्रेक्टरक डाला संगहि, इलेक्ट्रीकल सम्बन्धी काम करवाक लेल सम्पर्क करू।

सरस्वती इलेक्ट्रीक वर्क्ससप

सप्तरी, राजविराज, सिरहा रोड

☎ : ५२१२०७

प्रो:- राजनैतिक कुमार मंडल

पास क लेल लागल आस

गाम-गाम के युवकसभ विदेश जेवाकलेल गलगैने अछि आस।
महिनो दिन सँ जिला सभमे सठिगेल अछि पास।।
ऋण आ कर्जा करिके गरिबसभ पास वनावैल आवैय।
वहारमे बैठलाहा दलालसभ अपन-अपन वंसी पटावैय।।
काम जल्दी करावैक यै त, तुरन्त दिइयौ टाका गिन।
एक दिनके काममे जनता सभक दौरावै महीनो दिन।।
मट्टितेल के दाम वढैवलाछल हल्लेटा रहिगेल।
बढैवाला दामके हल्ला पासमे घुसिगेल।।
कमावैवाला व्यक्ति कतौ रहिके कमासकैय।
गमावैवाला व्यक्ति विदेशोमे गमा सकैय।।

गुणस्तरीय अति आधुनिक कम्प्यूटर शिक्षा नेटवर्क
द्वारा कम टका में सिखवा के लेल तुरन्त सम्पर्क करू।
हाईटेक इन्ट्रोनिक्स कम्पनी प्रा. लि.
सप्तरी, राजविराज

शितलहरी मे नेतासभके घुर

अखुनका नेतासभ लेने अछि एकेटा प्रतिज्ञा सुर।
सितलहरीमे जिलासभमे तापैत फिरै अछि घुर।।
दोसरक झुठ साँचमे अपना के वाजैक नै रहिए ठेकान।
देखैक यै त अपने देखियौ राजरंगशाला में प्रमाण।।
महिनो दिन सँ हुमान के धुजा फहराइत देखैय लोक।
फहराइत धुजा वहि दिन उखरत प्रमुख नेता जायत स्वर्गलोक।।
गोटगरहा मन्त्रीसभ भगेल फाँट छोटगराहामे कोनाके जायब।
सभ दिन खेलु हमसभ खिर खिचिरी कोनाके खाएब।।

१. घर-घर सँ निक्षेप संकलन आ आकर्षक व्याज।
२. सुलभ तरीका सँ ऋण लगानी।
३. आसान किश्त मे मोटर सायकिल, फ्रिज आ अन्य सामानक उपलब्धता
४. विश्वसनीयता एक मात्र पूँजी।

आजुक बचत, कालिहुक पूँजी

सेभिंग्स नेपाल

बहुमुखी सहकारी संस्था लि.
मेनरोड राजविराज, फोन - ५२१३५२

बेचैय तेल कि करैय खेल

देखु मट्टितेलक डिलर वालासभक खेल।
ग्राहक सभके ठकैय, कहिके भाव वढिगेल।।
अपनाके बुझैय काविल, आओर सवके बकलेल ।
ग्राहकसभ लाइनमे लगले रहए कहैय तेल सठिगल ।।
सठिगेल तेल आव आयव दोसर दिन ।
विलेकिया सभसँ वेसी टाका लके दैय टिने-टिन ।।
मट्टितेलक आस छोरू आव जलावु हिटर ।
तव देखु डिलर वालासभ वनत साइकलक फिटर ।।
समयक फाइदा उठावैय प्रशासन ।
एहन समय रहत तँ कमावैक निक आसन।।

१. घर-घर सँ निक्षेप संकलन आ आकर्षक व्याज।
२. सुलभ तरीका सँ ऋण लगानी।
३. आसान किश्त मे मोटर सायकिल, फ्रिज आ अन्य सामानक उपलब्धता
४. विश्वसनीयता एक मात्र पूँजी।

आजुक बचत, कालिहुक पूँजी

वेलफेयर नेपाल

बहुमुखी सहकारी संस्था लि.
सहकारी रोड, राजविराज, फोन - ५२०७६१

मधेशीके मसीहा

मधेशी मसिहाक नामपर सवकरू मौन धारण।।
अपनाके कहियो नमहर नै बुझलक सवदिन रहल साधारण।।
हुनकर यादके स्ममरणमे मिलके गावु श्रधा सुमन।
मधेशीके प्रसादके रूपमे देलक सप्तरीक आश्रम।।
लाठी खेलक जेल गेल कोनाके वचत मधेशी।
मधेशीयॉ यही देशकेछी नै छी कोनो विदेशी।।
एक मसिहाके नामपर जनमल लाखो मधेशीसव।
मनके भेदभावके पिवु एकठाम मिलके रहु सव।।
जाइत-पाइतके भेदभाव हटेलक सवके बनेलक एक।
अपन नामके निशान छोड़लक रहुसव देख-देख।।
मधेशीके कोखमे जनमलछल एक नव रतन।
अपन जनमल कोखाके वचेनछल सदखान।।
मधेशीक अधिकारक लेल अपन जानके वाजी खेलैछल।
मेचीसँ महाकालीतक नेपाल बन्द करैत छल।।
नै उजाडू ताजमहलके सवदिन राखु अमर।
सवमधेशी एक छी कोइ नै छि छोट नमहर।।
मधेशके पावन भमीमे जन्मल छल कोइलाड़ी गाम।
शहिद वनीके भेल अमर अछि हुनकर शुभ नाम।।

चोरक कमाए सव खायः

चोरके कमाएलसव किओ खाए असगरचोरवा फाँसी जाय।
सजाय भोग परत चोरवाके बचावैले नौजाएत दियाद भाय।।
लुटैत खान बहुतनिक लागैत छल भरैतछल सव जेवी।
देवतासभके गछलाहा घुस नै देलौं विगैर गएल देवी।।
खाएत किछ नीक लागैय अन्न दानासभ छोइडदेलु।
जनतासभके अगाडी कोना के भोंट माँगव वकलेल भगेलु।।
कतवो किछ होयत के लिए सकत टाका खेलहा।
कहियौ नै सुनलौं जिन्दा होयत अछि मुर्दा गरलाहा।।
खाइ ओतवे कुर्सी मिलैके अवसर मिलै फैर।
खाइत खना नै रहत ठेकान पेट जाइल अफैर।।
जिलासभमे भगेल अछि दौडाहा टोलीके सवारी।
खेलहासभके खोल परत लुटलाहा टाकाके बखारी।।

१. घर-घर सँ निक्षेप संकलन आ आकर्षक व्याज।
२. सुलभ तरीका सँ ऋण लगानी।
३. आसान किश्त मे मोटर सायकिल, फ्रिज आ अन्य सामानक उपलब्धता
४. विश्वसनीयता एक मात्र पूँजी।

आजुक बचत, कालिहुक पूँजी

सनरचना

बहुमुखी सहकारी संस्था लि.
सहकारी रोड, राजविराज, फोन - ५२०२५२

कहुना के भएल उगरास

उवेर करमा करबे केलक कतेक गएल बुढ पुरान्।
उपर पहुंचके सव नारा लगेलक समयपर भएल निदान।।
सिरकसँ नै गएल जाड कीन परल दोसर कमर।
जाड नै बुझै धनिक गरीब छोट आओर नमहर।।
दोकान दौरीसभ वन्द भगेल बन्द भगेल व्यापार।
बैठीके दोकान्दारसभ माँछि मारै जेना कोनो चौकिदार।।
टाका कमेलक धुनियासभ कतेक सिरक भेल भराइ।
माउवादीसभ केलक उवेर पहाडमे सितलहरी केलक तराइ।।
समय किनको हातमे नै कखन लएत कोन रूप।
कखनो हावा कखनो ठंढा कखनो होयत धूप।।

१. घर-घर सँ निक्षेप संकलन आ आकर्षक व्याज।
२. सुलभ तरीका सँ ऋण लगानी।
३. आसान किश्त मे मोटर सायकिल, फ्रिज आ अन्य सामानक उपलब्धता
४. विश्वसनीयता एक मात्र पूँजी।

आजुक बचत, कालिहुक पूँजी

आइडियल सहकारी संस्था

बहुमुखी सहकारी संस्था लि.
राजविराज, फोन - ५२१३९९

वनभेल ठोका खूलल दारू के पोका:

औफिस वन्द होइ सँ पहिले, काम काज होइय बन्द।
नुन मिरचाईपर चियर्स करिके पिके रहिय उमंग।।
औफिस गेट बन्द करिके बन्द करिय ढोका।
काम करावैवालासभ बैठलेरहिय खुलै दारू के पोका।
न्याय करैवाला जगह मे विना पिने नै करत चलानी दर्त्ता।
जब तक पाँच-दस टाका नै देव कोनो काम नै कर्त्ता।।
सभके विश्वास अछि नियालाय रहिय सतपर।
कर्मचारी के गल्ती नै देखिके निर्णय करैय दोसर पर।।
कर्मचारीके बरको गल्ती होइतय छोट।
जनताके छोटको गल्ती होयत वरका मोट।।

नव वर्षक शुभकामना

नव वर्ष २०६० सालक शुभ अवसर पर सम्पूर्ण
कर्मचारी वर्गक हार्दिक मंगलमय शुभकामना अछि।

आयुर्वेदिक कार्यालय

राजविराज, सिरहा रोड

खोलु इट्टा भट्ठा :

सब काममे जे हाइर जायत तैं खोली देत इट्टा भट्ठा।
सबमे करखनो मेल रहत कखनो लठम लट्ठा।।
पथेरी सबके काम करबाके टाकाले दौराबैय।
मालिक चुपे बैठल रहैय पछलगुवा हुकुम चलाबैय।।
आम्दनीक ठेकान नै खायत घी आओर मठा।
दिनभरी मुह सुखेंन राहत लागीगेल अछि घटा।।
कोइ ककरो सँ कमनै सब कहत ची मालिक दमान।
सबके टाका राखिके शान देखाएत भजाएत बैमान।।
लाइसेन्स रहबेनै करत सबलेत जरनाके ठिका।
टाका मागैले तारिख लेब परैत मन होइत फिका।।

नव वर्षक शुभकामना

नव वर्ष २०६० सालक शुभ अवसर पर सम्पूर्ण कर्मचारी वर्गक हार्दिक मंगलमय शुभकामना अछि।

जनस्वाथ्य कार्यालय

सप्तरी, राजबिराज,

तास आओर जूबा:

अखुनका यूवकसभ सवदिन खेलत जूवा म तास।
लोकपुछत कि कैर छी कहत समय करैछी पास।।
काम धन्धा छोरीके वैठजाएत सवेरे सकाल।
खेनाई-पिनाई छोइडदेत जना भगेल रौदी अकाल।।
एक-एक करिके जम्मा भजाएत चाइर।
बात-बात मे होएत झेल भजाएत माइर।।
जूवा नै होइत य किनको कतवो होएत अमिर।
जूवा के आदत जिनका होइत भजाएव जोगी फकिर।।
सिकरेटक वनेन अछि फैसन भितरमे देत गाजा।
जखैन पिवल भगेल देखु ओकर माजा।।
मन भकूवाक वैठल रहत कतौ कुछ ने रहत वाजैत
गनगन माछी मुहम ओकरा रहत जाइत आवैत।

धुम्रपान निषेध मजाक वनिके रहिगेलः

सवदिन जे पिवत सिगरेट आओर विडी ।
जेवमे रहत किछने केन फुरत नेता गिडी ।।
सव दिन जे कोइ गाजा भाग पिवत ।
ओकर नै अछि ठेकान कतेक दिन जिवत।।
सवदिन पिवत जेकोइ नासामे दारू।
अपना दुल्हीनसँ खाएत सवदिन झारू।।
सवदिन खाएत जे कोइ खौनी चून।
आँइखके रोसनी घटिके शरीर मे नै चढत खुन।।
धुम्रपान निषेध मजाक वनिके रहिगेल।
सम्वन्धित निकायक नै अछि ठेकान पहिले सँ कतेक वढिगेल।।

बढ़ल पेट्रोलियम पदार्थक दाम

जव-जव भेल इरान-इराकके कोनो देश सँ लडाइ ।
पेट्रोलियम पदार्थके दाममे भेल कडाइ ।।
बढ़ल पेट्रोलियम पदार्थक दाम ।।
जारैनसँ चलावू अपन-अपन सव काम ।
सवेरे खाउपिबु जव होएत शाम ।।
बस टेम्पुक भाड़ा बढ़ल पैदल चल परत ।
पुर बस खाली रहत ड्राइबरेटाक रिजर्भ रहत ।।
पाँच टाकामे चाय बिके दस टाकामे नास्ता ।
पाइन पिवके काटैजाउ अपन-अपन रास्ता ।।
वकलेलके राजमे कोनाके रहत गरीब जनता ।
व्यापारीसभके कोनो फरकनै कतवो दाम बढ़ता ।।
तेलवलासभ सोचै हमसभ कोनाक जियव ।
खेनाइ-पिनाइ छोइडके तेलेटा पियव ।।

नव वर्षक शुभकामना

नव वर्ष २०६० सालक शुभ अवसर पर सम्पूर्ण कर्मचारी वर्गक हार्दिक मंगलमय शुभकामना अछि।

रेयूकाइ कार्यालय

सप्तरी, राजविराज

कहू बनवारी जी

देशमे संकटकाल

वैठल छि पट्टी लगाके हम सव नेपाली अपन मुहमे ।
डुइवगेल अछि पुरादेश अशान्ति दु:खमे ।।
शान्ति देश नेपालमे एहेन हाल अछि ।
रास्ता पेरा चलैमे आफत देशमे संकटकाल अछि ।।
पत्रकारसभ किछ लिखैय जेल जाइले परैय ।
तरकारी खाइले आफत साग खाइले परैय ।।
विश्वमे शान्ति छल देश आइ रणभूमि वनिगेल ।
नेपालीके गोलीसँ कतेक नेपाली शहीद भगेल ।।
नेतासभके अपस्वार्थीमे भेल अछि यी हाल ।
सुपतो वात नै बाजि सकैछी सवपर संकटकाल ।।

नव वर्षक शुभकामना

नव वर्ष २०६० सालक शुभ अवसर पर सम्पूर्ण कर्मचारी वर्गक हार्दिक मंगलमय शुभकामना अछि।

जिला प्रहरी कार्यालय

सप्तरी, राजविराज

शैनमे नै चैन

हप्ता दिनमे परै अछि एकटा शैन ।
बैठकसँ फुरसत नै कामसँ नै मिलत चैन ॥
सात दिनक कामसँ जम्मा होएत वरका भिर ।
एक दिन मे नै होइतय काम मनमे नै थिर ॥
सवदिन सँ वेसी खर्च परै अछि शैनदिन ।
सवदिन अतेक खर्च होएत कमाइ सँ वेसी ऋण ॥
सैवदिन रहिय आसा शनिदिन करब आराम ।
सुवहसँ सांझ तक फुरसत नै भोजनोपर हराम ॥
मनुसके जिवनमे नै अछि कहियो चैन ।
जाहिया जाएव दुनिया सँ ओही दिन शैन ॥

नव वर्षक शुभकामना

नव वर्ष २०६० सालक शुभ अवसर पर सम्पूर्ण
कर्मचारी वर्गक हार्दिक मंगलमय शुभकामना अछि।

जिला प्रशासन कार्यालय

सप्तरी, राजविराज

(बाल कविता)

कलम काँपी दुनू साथी

अपना के बुझियौ कलम साथी ओंकर काँपी ।
दुइटा नामके सवदिन लियौ मनमे जपी ।।
भुख लागत तव बुझु मिठाइ महक खाजा ।
मिलके गित गावु वजावु ओकर वाजा ।।
वचावै वाला चौकिदार शिक्षक जकाँ गुरू ।
ज्ञान के अन्त नै होइतय सवदिन रहिय सुरू ।।
कउवाके चेष्टा वगुलाके जका दियौ ध्यान ।
सव काम छोरीके पढ़ाई पर दियौ ध्यान ।।
अहि समयपर जे कियौ देव ध्यान ।
असल विद्यार्थी वनव होयव वरका विद्वान ।।

पढन सँ प्रोफेसर नेता सँ मिनिस्टर

भुसकोल विद्यार्थीसभ अपनाके दादा कहलावैय ।
अपनाके वरका नेता बुझत नित झगड़ा करिके आवैय ।।
नेतागीरीमे सभ किछ यै पढैमे नै किछ यै राखल ।
कतवो पढव तँ वौवाइत फिरव जेना कोनो पागल ।।
पढब लिखबत वहुत होएत वनव प्रोफेसर ।
नेतागीरी मे सपैर जाएत तव एकेवेरमे मिनिष्टर ।।
वनिजाएव मन्त्री मिलजाएत निवास आओर सवारी ।
बेरा वेरी सभसँ टाका ठकव नोकरीके करब व्यपारी ।।
कतवो पढव तँ विना टाका सँ नै होएत नोकरी।
जन लेबर मे खट परत माथपर रहत टोकरी।।

नव वर्षक शुभकामना

नव वर्ष २०६० सालक शुभ अवसर पर सम्पूर्ण
कर्मचारी वर्गक हार्दिक मंगलमय शुभकामना अछि।

राजविराज नगरपालिका कार्यालय

सप्तरी, राजविराज

सचिवसभ अध्यक्षके कलम

एतेक दिन सचिवसभ छल अध्यक्षके जेबीक कलम।
हिसाब मिलानी करिके, उपर सँ लगावैछल मलहम।।
औफिसके कागज परतसभ रखने रहिए झोरामे।
जन्तासभक सिफारिस ले कहत अवियो काइल डेरामे।।
लौटरीमे परल सचिवसभ के अध्यक्षसभक विर्ता।
किया ककरो तागत हेतैक हमरा सँ लेतै फिर्ता।
रास्ता पेरामे जनतासभके ठकिके समय वितावैय।
दुई-चार टाका झारिके अपन तरकारी चलावैय।।
अखुनका सचिवसभ छी मट्टितेल सँ चलै वाला गारी।
थुक-थुक करिकै चलैत रहिए कतौ रोकिदैय सवारी।।

नव वर्षक शुभकामना

नव वर्ष २०६० सालक शुभ अवसर पर सम्पूर्ण कर्मचारी वर्गक हार्दिक मंगलमय शुभकामना अछि।

खानेपानी कार्यालय

सप्तरी, राजविराज

स्कूल के बस (बाल कविता)

जल्दी कर बुची वौवा झोरामे किताब कस।
पों-पों प्याँ-प्याँ करैत अविगेलौ स्कूल बस।।
याद राखके लियौ सबटा किताब काँपी।
कान पकरत गुरू जब घरमे रहत बाँकी।।
अपन देशक भविष्यके यी ध्रुव तारा।
अखान तु सभ दोसरके सहारा।।
याद राखी है बसमें चढ़ैत उतरैत।
दु:ख होयत फैर बसमेसँ गिरैत।।
बसमेसँ जखैन गिरव पढ़ाइ लिखाइ छुटत।
कमजोर विद्यार्थी तेज होयत बढ़का हुसान-हुसत।।

रौदक बाट जोहैत (कविता)

रूपा-धिरू
कान्तिपुर हेलो मिथिला संचालिका

हम ?
हमर कोन बात
हम त
पझाएल जारिन
कखनो सुनगैत
एकटा अधझरकु
चेरा छी।

भनसियाके तामस उठैत छनि
आ हमरा टहटहौआ रौदमे
वटकि दैत छथि
आ हम सुखक
हरनाठी भ जाइत छी

सँझुका भानसवेरमे
हमर तारिफ हाइत अछि ।
जारनि जे धु-धु
जरैत अछि वाह.....
आ हम रंग-विरंगक व्यंजन
तैयार करमे तल्लीन भ जाइत छी
भनस भ जाइत छैक
हमरा पानि ढारि मिझा देल जाइत अछि
आ हम अपनहिमे
कखनो सुनगैत
कखनो मिझाइत
कन्हुका रौदक
बाट जोहैत
धुँआईत रहैत छी ।

तनभेल वृद्ध मन अछि जमान

ततन भेल वृद्ध मन अछि जमान।
रंग विरंग चिजपर अखनियौ ध्यान।।
केस दाढी के मेहदी लगाके करैकाला।
विना कुंजीक खोलैय कतेक ताला।।
दाँत रहवेन करत खाए त सुपारी।
बुढम बनत अपन दूल्हीनक पूजारी।।
कतवो नजिक सँ देखत तैयो नै सुझत।
कखनो बनत साधु कखनो मन नै बुझत।।
टोइब-टाइबक चिनहत आँइख नै करत काम।
गाम घरमे कहियै बुढवा बहदुरवा नाम।।
नीक निकुतपर मन जायत खायत नै
अ क ु व ा - ध ा क ु व ा ।
बुढेसोकालम विना लकसीक लगाएत अखुवा।।

कहू बनवारी जी

नव वर्षक शुभकोमना

नव वर्ष २०६० सालक शुभ अवसर पर
हार्दिक मंगलमय शुभकामना अछि।

मुरली प्रसाद यादव

अध्यक्ष

नेपाल पत्रकार महासंघ सप्तरी (राजविराज)

☎ : ५२११६१

नव वर्षक शुभकामना

नव वर्ष २०६० सालक शुभ अवसर पर
हार्दिक मंगलमय शुभकामना अछि।

व्यास शंकर उपाध्याय

उपाध्यक्ष

नेपाल पत्रकार महासंघ सप्तरी (राजविराज)

नव वर्षक शुभकामना

नव वर्ष २०६० सालक शुभ अवसर पर
हार्दिक मंगलमय शुभकामना अछि।

शिवहरि प्रसाद भट्टराइ

सदस्य

नेपाल प्रेस काउन्सिल

✆ - ५२१११७

नव वर्षक शुभकामना

नव वर्ष २०६० सालक शुभ अवसर पर
हार्दिक मंगलमय शुभकामना अछि।

भोला रामण उप्रेती

सत्य तथ्य दैनिक

✆ : ५२०१७०

नव वर्षक शुभकामना

नव वर्ष २०६० सालक शुभ अवसर पर
हार्दिक मंगलमय शुभकामना अछि।

संतोष कुमार चौधरी

केन्द्रीय अध्यक्ष

नेपाल पत्रकार मंच

नव वर्षक शुभकामना

नव वर्ष २०६० सालक शुभ अवसर पर
हार्दिक मंगलमय शुभकामना अछि।

विष्णु कुमार मंडल

अध्यक्ष

मैथिली साहित्य परिषद, आ मिथिला सप्ताहिक सम्पादक

✆ : ५२११६२

नव वर्षक शुभकामना

नव वर्ष २०६० सालक शुभ अवसर पर
हार्दिक मंगलमय शुभकामना अछि।

मिना ठाकुर

अध्यक्ष

मैथिल महिला परिषद सप्तरी

नव वर्षक शुभकामना

नव वर्ष २०६० सालक शुभ अवसर पर
हार्दिक मंगलमय शुभकामना अछि।

अशोक कुमार झा

अध्यक्ष

मैथिल विद्यार्थी परिषद, सप्तरी

नव वर्षक शुभकामना

नव वर्ष २०६० सालक शुभ अवसर पर
हार्दिक मंगलमय शुभकामना अछि।

राम नारायण देव
जनमत साप्ताहिक

नव वर्षक शुभकामना

नव वर्ष २०६० सालक शुभ अवसर पर
हार्दिक मंगलमय शुभकामना अछि।

सुरेन्द्र गुप्ता
सत्यापन साप्ताहिक
☎ : ५२११७२

नव वर्षक शुभकामना

नव वर्ष २०६० सालक शुभ अवसर पर
हार्दिक मंगलमय शुभकामना अछि।

अनिल कुमार अनल
नविन सप्ताहिक
☎ : ५२०४६८

नव वर्षक शुभकामना

नव वर्ष २०६० सालक शुभ अवसर पर
हार्दिक मंगलमय शुभकामना अछि।

राजेश कुमार झा (प्रतिनिधि)
रा.स.स.
☎ : ५२०४८६

नव वर्षक शुभकामना

नव वर्ष २०६० सालक शुभ अवसर पर
हार्दिक मंगलमय शुभकामना अछि।

अवधेश कुमार झा (सम्पादक)
दैनिक, [illegible]
☎ : ५२१०५३

नव वर्षक शुभकामना

नव वर्ष २०६० सालक शुभ अवसर पर
हार्दिक मंगलमय शुभकामना अछि।

राधेश्याम रमण
फोटो पत्रकार
☎ : ५२०४३३

नव वर्षक शुभकामना

नव वर्ष २०६० सालक शुभ अवसर पर
हार्दिक मंगलमय शुभकामना अछि।

शिशु प्रसाद देवकोटा
गोरेटो साप्ताहिक
☎ : ५२०४०४

नव वर्षक शुभकामना

नव वर्ष २०६० सालक शुभ अवसर
पर हार्दिक मंगलमय शुभकामना अछि।

सजिव कुमार यादव
जन *आक्रोश* साप्ताहिक
(बनवारीजीक सहयोगी)
☎ : ५२१९५६

कहू बनवारी जी

नव वर्षक शुभकामना

नव वर्ष २०६० सालक शुभ अवसर पर
हार्दिक मंगलमय शुभकामना अछि।

मनोज कुमार मांझी
प्रतिनिधि राजधानी पत्रिका
☎ : ५२०१७१

नव वर्षक शुभकामना

नव वर्ष २०६० सालक शुभ अवसर पर
हार्दिक मंगलमय शुभकामना अछि।

वैद्यनाथ यादव
तरूण साप्ताहिक
☎ : ५२०८२९

नव वर्षक शुभकामना

नव वर्ष २०६० सालक शुभ अवसर पर
हार्दिक मंगलमय शुभकामना अछि।

श्यम्भू झा
रेडिया नेपाल प्रतिनिधि
☎ : ५२१०७६

नव वर्षक शुभकामना

नव वर्ष २०६० सालक शुभ अवसर पर
हार्दिक मंगलमय शुभकामना अछि।

निमिश झा (प्रतिनिधि)
हिमाल्य टाइम्स

नव वर्षक शुभकामना

नव वर्ष २०६० सालक शुभ अवसर पर
हार्दिक मंगलमय शुभकामना अछि।

मनोज कुमार चौधरी
प्रतिनिधि
कांतिपुर दैनिक

नव वर्षक शुभकामना

नव वर्ष २०६० सालक शुभ अवसर पर
हार्दिक मंगलमय शुभकामना अछि।

अर्जुन प्रसाद साह
आजको जन पुकार दैनिक
☎ : ५२१४१८

नव वर्षक शुभकामना

नव वर्ष २०६० सालक शुभ अवसर पर
हार्दिक मंगलमय शुभकामना अछि।

विरेन्द्र प्रसाद साह
जन *आक्रोश* साप्ताहिक
☎ : ५२१९५६

नव वर्षक शुभकामना

नव वर्ष २०६० सालक शुभ अवसर पर
हार्दिक मंगलमय शुभकामना अछि।

देवराम यादव
कृष्णा साप्ताहिक
☎ : ५२०८२९

नव वर्षक शुभकामना

नव वर्ष २०६० सालक शुभ अवसर पर
हार्दिक मंगलमय शुभकामना अछि।

सुख राम यादव
कृष्णा साप्ताहिक
अध्यक्ष ग्लोवल सहकारी संस्था ली.
☎ : ५२१७३७

नव वर्षक शुभकामना

नव वर्ष २०६० सालक शुभ अवसर पर
हार्दिक मंगलमय शुभकामना अछि।

सुख राम यादव
कृष्णा साप्ताहिक
☎ : ५२१७३७

नव वर्षक शुभकामना

नव वर्ष २०६० सालक शुभ अवसर पर
हार्दिक मंगलमय शुभकामना अछि।

अशिर्फी यादव परमेश्वर यादव
प्रधानाध्यापक व्यवस्थापन समिति
अध्यक्ष
मा.वि.खुरहूरीया (गा.वि.स. मलेपुर)

नव वर्षक शुभकामना

नव वर्ष २०६० सालक शुभ अवसर पर
हार्दिक मंगलमय शुभकामना अछि।

भागवत मंडल राम बहादुर शाह
प्रधानाध्यापक व्यवस्थापन समिति
अध्यक्ष
रा. प्रा. वि. मलेकपुर

नव वर्षक शुभकामना

नव वर्ष २०६० सालक शुभ अवसर पर
हार्दिक मंगलमय शुभकामना अछि।

भागवत मंडल राम बहादुर शाह
प्रधानाध्यापक व्यवस्थापन समिति
अध्यक्ष
रा. प्रा. वि. मलेकपुर

नव वर्षक शुभकामना

नव वर्ष २०६० सालक शुभ अवसर पर हार्दिक मंगलमय शुभकामना अछि।
प्रधानाध्यापक व्यवस्थापन समिति
अध्यक्ष
मा.वि.पत्थरगाडा

नव वर्षक शुभकामना

नव वर्ष २०६० सालक शुभ अवसर पर
हार्दिक मंगलमय शुभकामना अछि।
प्रधानाध्यापक व्यवस्थापन समिति
अध्यक्ष
मा.वि. ब्रह्मपुर

नव वर्षक शुभकामना

नव वर्ष २०६० सालक शुभ अवसर पर हार्दिक मंगलमय शुभकामना अछि।
प्रधानाध्यापक व्यवस्थापन समिति
अध्यक्ष
मा.वि. बनौला

नव वर्षक शुभकामना

नव वर्ष २०६० सालक शुभ अवसर पर हार्दिक मंगलमय शुभकामना अछि।
प्रधानाध्यापक व्यवस्थापन समिति
अध्यक्ष
मा.वि. सिस्वा-बेल्ही

नव वर्षक शुभकामना

नव वर्ष २०६० सालक शुभ उपलक्ष में मंगलमय शुभ कामना व्यक्त करैत छी ।

माननीय उप-प्रधानमंत्री
श्री बद्री प्रसाद मंडल

नव वर्षक शुभकामना

नव वर्ष २०६० सालक शुभ उपलक्ष में मंगलमय शुभ कामना व्यक्त करैत छी ।

माननीय नागरिक तथा पर्यटक मंत्री
श्री कुवेर प्रसाद शर्मा

कविक परिचय

नाम	:-	महेन्द्र प्रसाद मण्डल
पिता	:-	स्व. सोनाइ मण्डल
माता	:-	स्व. बुदुर देवी मण्डल
सुपुत्र	:-	अमरकान्त मण्डल
जन्म भूमि	:-	मलेकपुर १, सप्तरी
जन्म मिति	:-	२०३० साल ५ महिना १७ गते कृष्ण अष्टमी दिन
शिक्षा	:-	वि०कम०
उद्देश्य	:-	समाजक सेवा
रा	:-	पत्रकारिता
वा	:-	मैथिली
कार्यालय	:-	मैथिली साहित्य परिषद् सप्तरी
पद	:-	कार्यालय प्रतिनिधि/मिथिला साप्ताहिक संवाददाता
मिति	:-	2060 सालक शुभ उपलक्ष में

मिथिला वासी सँ अनुरोध

मातृ-ऋण, आ मातृभूमि - ऋण सदृश मातृभाषा-ऋण होइत छैक । मातृ भाषाक ऋण सँ उऋण हेवाक लेल मातृभाषा में पढ़ू-पढाउ बाजू-बजाउ आ लिखू-लिखाउ

मैथिली साहित्य परिषद्
राजविराज(सप्तरी)

प्रधानाध्यापक सँ अनुरोध

प्राथमिक स्तरक ऐच्छिक विषयक लेल मैथिलीक पाठय पुस्तक (पाठयक्रम विकास केन्द्र-द्वारा प्रकाशित) उपलब्ध अछि । ते जिला शिक्षा कार्यालयसँ पाठयक्रम तथा पाठ्य पुस्तक उपलब्ध कए अपना-अपना विद्यालयमे एच्छिक मैथिलीक पठन पाठन करएबाक हार्दिक अनुरोध अछि ।

मैथिली साहित्य परिषद
राजविराज (सप्तरी)

मुंद्रक:- माँ प्रिटर्स, उत्तरी मंदिरी, बापू नगर पटना-800 001, फोन नं०- 0612(2520754)

सहयोग राशि २१८